SARDAR PATEL UNIVERSITY

VallabhVidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA05CHIN51	Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग-1
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Objectives	1. कबीर सं. हजारीप्रसाद द्वेवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. रामचरितमानस 'अयोध्याकाण्ड',गोस्वामी तुलसीदास, सं.सुधाकर पाण्डेय, लोकभारती भारती प्रकाशन इलाहाबाद

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	25
2.	कबीर के काव्य में मानवतावाद	
3.	कबीर की भक्ति साधना	
4.	कबीर के काव्य में समाजदर्शन	
Unit	2.	25
1.	कबीर की दार्शनिकता	
2.	कबीर का काव्य सौदर्य	
3.	कबीर का रहस्यवाद	
4.	कबीर की गुरु महिमा	
Unit	3.	25
1.	तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
2.	अयोध्याकाण्ड का कथानक	
3.	अयोध्याकाण्ड की काव्यगत विशेषताएँ	
4.	अयोध्याकाण्ड की प्रासंगिकता	
Unit	4.	25
1.	अयोध्याकाण्ड का मानवतावाद	
2.	अयोध्याकाण्ड का समाजदर्शन	
3.	अयोध्याकाण्ड के पात्रों का परिचय	
4.	अयोध्याकाण्ड का काव्य सौन्दर्य	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the	15%

	form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to	
	➢ हिन्दी साहित्य के मध्यकालीन काव्य के प्रतिनिधि रचनाकारों में कबीर और तुलसीदास के काव्य- सृजन को केंद्र में रखकर युगीन काव्य चेतना को समज़ना व उसका विवेचन करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण सोपान ह। इस रचनाकारों के काव्य में निहित संवेदना जीवन जगत की विशद व्याख्या करने में आधारभूत वस्तु प्रदान करती है। रहस्यवाद,मानवतावाद,दार्शनिकता समाजदर्शन आदि से अध्ययन- प्रणालिकाओं को नवीन दिशा-द्रष्टि मिलती है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	मध्यकालीन काव्य-कुमार एवं श्रीवास्तव
2.	मध्यकालीन काव्य- डॉ.दिलीप मेहरा
3.	मध्युगीन भक्ति काव्य के विचारपक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन-डॉ.शिवप्रसाद शुक्ल
4.	कबीर मीमांसा- डॉ.रामचंद्र तिवारी
5.	तुलसी दर्शन मीमांसा -डॉ. उदयभानु सिंह
6.	तुलसीदास की भाषा - देवकीनंदन श्रीवास्तव
7.	गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
8.	तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित
9.	भक्ति काव्य और समाज दर्शन - प्रेम शंकर
10.	तुलसीदास साहित्य के सांस्कृतिक आयाम - डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
11.	तुलसी दर्शन बलदेव प्रसाद मिश्र
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

Course Code	UA05CHIN52	Title of the Course	हिन्दी भाषा का इतिहास
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	हिन्दी भाषा की उत्पति	25
2.	हिन्दी भाषा का विकास एवं स्वरुप	
3.	हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ और बोलियाँ	
4.	हिन्दी भाषा की विशेषताएँ	
Unit	2.	25
1.	भाषा की विविध परिभाषाएँ	
2.	हिन्दी भषा का शब्दभंडार	
3.	देवनागरी लिपि का विकासक्रम	
4.	देवनागरी लिपि की विशेषताएँ	
Unit	3.	25
1.	अर्थ परिवर्तन के कारण	
2.	अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	
3.	हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण	
4.	हिन्दी भाषा का मानकीकरण	
Unit	4.	25
1.	खड़ीबोली का उद्भव और विकास	
2.	हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप-बोलचाल की भाषा,रचनात्मक संपर्क भाषा,संचार भाषा	
3.	पुरानी हिन्दी की विशेषताएँ	
4.	अवहट्ट, एवं डिंगल की विशेषताएँ	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ साहित्यिक- व्यावहारिक आदान-प्रदान के माध्यम के रूप में भाषा का अस्तित्व

सर्वस्वीकृत है। हिन्दी भाषा का इतिहास विषयान्तगति प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा के विविध पक्षों का उद्घाटन करते हुए, भाषिक संरचना मूलक प्रमुख बिन्दुओं को भी उजागर करता है। हिन्दी साहित्य के अध्येता केलिए भाषिक सजगता व सज्जता प्रदान करने की द्रष्टि से यह सामग्री उपयुक्त है। भाषिक समृधि के नजरिए से भी इस प्रकार का अध्ययन सर्वथा उपादेय सिद्द होता है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी
2.	हिन्दी भाषा का उद्दभव और विकास- उदयनारायण तिवारी
3	हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ धीरेन्द्र वर्मा
4	हिन्दी भाषा का वर्तमान रूप-चन्द्रगुप्त
5.	हिन्दी भषा का इतिहास- डॉ.रमेश तिवारी
6.	आधुनिक हिन्दी भाषा विज्ञान- डॉ. राजमणि शर्मा
7.	-
8.	-
9.	-
10.	-
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA05CHIN53	Title of the Course	भारतीय साहित्य सिद्धांत और हिन्दी आलोचना
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	काव्य लक्षण,	25
2.	काव्य हेतु	

3.	काव्य प्रयोजन	
4.	काव्य के प्रकार	
Unit	2.	25
1.	काव्य गुण, काव्य दोष	
2.	शब्द शक्ति की परिभाषा एवं अर्थ	
3.	अभिधा, लक्षणा शब्द शक्ति	
4.	व्यंजना शब्द शक्ति	
Unit	3.	25
1.	भरत का रस सूत्र	
2.	काव्य के विविध संप्रदायों का सामान्य परिचय	
3.	छंद की परिभाषा, छंद के भेद	
4.	अलंकार	
Unit	4.	25
1.	हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास	
2.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	
3.	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी	
4.	डॉ. शिवकुमार मिश्र	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ कव्यशाश्त्रीय परंपरा के क्रम में, 'भारतीय साहित्य सिद्धांत और हिन्दी आलोचना' विषयक पाठ्यक्रम विभिन्न भारतीय काव्य-सम्प्रदायों का परिचय प्रस्तुत

करते हुए, काव्यशास्त्रीय सिद्धांतो का उजागरीकरण करता है। साथ ही, हिन्दी आलोचना से सम्बन्ध प्रमुख चुनिन्दा आलोचकों की समीक्षा द्रष्टि को भी प्रस्तुत करता है। अध्येता के बौद्धिक विकास व तर्क क्षमता के उन्नयन केलिए यह उपयुक्त है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र
2.	साहित्यलोचन डॉ. श्यामसुंदरदास
3	काव्य के रूप -बाबू गुलाबराय
4	काव्य प्रदीप- रामबिहारी शुक्ल
5.	काव्य परिचय- राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
6.	साहित्यशाश्त्र- डॉ.ओमप्रकाश गुप्त, डॉ.गोवर्धन बंजारा
7.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशाश्त्र- डॉ.तुलसीभाई पटेल
8.	हिन्दी आलोचना और यथार्थवाद - डॉ. त्रिभुवन सिंह
9.	-
10.	-
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA05CHIN54	Title of the Course	पत्रकारिता
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार	25
2.	समाचार का अर्थ परिभाषा एवं प्राप्ति के साधन	
3.	संवाददाता की योग्यताएँ और संपादकीय विभाग (संपादक के प्रकार)	
4.	समाचार की पृष्ठ सज्जा (ले-आउट)	
Unit	2.	25
1.	फीचर का अर्थ, महत्व एवं प्रकार	
2.	विज्ञापन काअर्थ महत्व एवं प्रकार	
3.	साक्षात्कार का अर्थ एवं प्रविधि	

4.	प्रूफ का अर्थ प्रूफ रीडर के गुण	
Unit	3.	25
1.	कार्टून का महत्व	
2.	रेडियों का महत्व रेडियों कार्यक्रम के प्रकार	
3.	दूरदर्शन का महत्व एवं कार्यक्रम के प्रकार	
4.	इंटरनेट	
Unit	4.	25
1.	विज्ञापन में करियर विज्ञापन बनाने की तकनीक	
2.	फिल्म पटकथा लेखन की प्रविधि	
3.	टेलिविज़न धारावाहिक लेखन की प्रविधि	
4.	प्रेस फोटोग्राफी एवं उसके प्रकार	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ आज के विश्वस्तरीय मीडिया जगत में पत्रकारिता के साथ साथ, मुद्रण – इलेक्ट्रोनिक माध्यमों में समाचार, कार्टून, विज्ञापन, स्तंभ, पटकथा, धारावाहिक, साक्षात्कार आदि का प्रमुख वर्चस्व है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम उनसे जुडी हुई उपयुक्त पाठ्यसामग्री मुहैया कराता है तथा प्रचलित माध्यमों के परिपेक्ष्य में बहु आयामी लेखन की संभावनाओं के द्वार खोजते है। इस द्रष्टि से यह उपयुक्त कला–कौशलपरक अध्ययन है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	पत्रकारिता एवं संपादन कला– एन.सी.पंत
2.	पत्र व्यवहार विक्रयकला विज्ञापन एवं बाजार समाचार– योगेन्द्र प्रसाद,शोभाचंद चिंतामणि
3	संपादन कला– राजीव भानावत
4	हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद– डॉ.रामगोपाल सिंह

5.	जन पत्रकारिता जन संचार एवं जन संपर्क
6.	पत्रकारिता: परिवेश और प्रवृतियां- डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय
7.	जनसंचार जनसंपर्क एवं विज्ञापन- डॉ.सुजाता वर्मा, जी.पी.वर्मा
8.	द्रश्य-श्रव्य माध्यम लेखन- डॉ.डी.के.राव
9.	-
10.	-
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA05DHIN51	Title of the Course	मीडिया लेखन (प्रिंट मीडिया)
Total Credits of the Course	02	Hours per Week	02

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	संचार माध्यमों में लेखन के प्रकार	25
2.	संपादकीय लेखन की प्रक्रिया	
3.	नाटक लेखन की विशेषताएँ	
4.	साक्षात्कार लेखन की प्रक्रिया	
Unit	2.	25
1.	बच्चों केलिए लेखन के प्रकार	
2.	समाचार लेखन की प्रक्रिया	
3.	समाचार पत्र कार्यालय की मुलाकात एवं रिपोर्ट	
4.	व्यक्ति विशेष एवं सांप्रत घटनाएँ	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	=
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	=
University Examination	50%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ वर्तमान संदर्भ में पत्रकारिता के बढ़ते प्रभाव में उसके लेखन को लेकर विविध आयाम द्रष्टिगत होते है, जिसमे प्रिंट मीडिया विविध क्षेत्र के लेखन की विशेषताओं का ध्यान रखा गया है। जिसमें व्यवसाय की नई सभानता प्राप्त होती है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन – सं.प्राचार्य डॉ.बापूराव देसाई
2.	प्रिंट मीडिया : कल और आज – डॉ. मीना शर्मा
3	प्रिंट मीडिया का वर्तमान परिद्रश्य – राकेश प्रवीर
4	इलेक्ट्रोनिक मीडिया के सिद्दांत – रूपचंद गौतम
5.	मीडिया में करियर – पी.के.आर्य
6.	मीडिया लेखन एवं फ़िल्म विमर्श – रविन्द्र कत्यायन
7.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिन्दी सिनेमा – डॉ. अनिरुद्दकुमार, मृत्युंजय प्रतापसिंह
8.	–
9.	–
10.	–
11.	–
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

VallabhVidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN51	Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग–2
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Objectives	1. 'भ्रमरगीत सार': संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (प्रकाशन: कृष्णदास पोडवाल एंड कंपनी बनारस) 2. 'रीतिकाव्य संग्रह' बिहारी के दोहे, संपादक: विजयपाल सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	25
2.	भ्रमरगीत सार का काव्य सौंदर्य	
3.	भ्रमरगीत सार का कथानक	
4.	भ्रमरगीत में प्रकृति वर्णन	
Unit	2.	25
1.	भ्रमरगीत सार में गोपियों के विरह की मार्मिकता	
2.	भ्रमरगीत सार एक उपालम्भ काव्य	
3.	भ्रमरगीत सार में ज्ञान पर प्रेम की विजय	
4.	संदर्भ	
Unit	3.	25
1.	बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	

2.	सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान	
3.	बिहारी का संयोग श्रंगारवर्णन	
4.	बिहारी का वियोग श्रंगारवर्णन	
Unit	4.	25
1.	बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ	
2.	बिहारी का जीवनदर्शन	
3.	रीतिकालीन कवियों में बिहारी का स्थान	
4.	संदर्भ	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to	
	➢ प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन के क्रम में, भक्तिकालीन कवि सूरदास और रीतिकालीन कवि बिहारी के काव्य का अध्ययन भक्तिकाल व रीतिकाल की सृजनमूलक चेतना से रूबरू कराकर, उन दोनों कवियों की रचनाधर्मिता को समज़ने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। वस्तुपक्ष एवं कलापक्ष की द्रष्टि से समृद्ध माने जाने वाले भक्तिकाव्य और रीतिकाव्य का प्रतिनिधित्व करते हुएयह पाठ्यविषय अध्येता को युगीन प्रवाहों आदि की भी जानकारी प्रदान करता है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	मध्यकालीन काव्य-कुमार एवं श्रीवास्तव
2.	मध्यकालीन काव्य- डॉ.दिलीप मेहरा
3	मध्युगीन भक्ति काव्य के विचारपक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन-डॉ.शिवप्रसाद शुक्ल
4	कबीर मीमांसा- डॉ.रामचंद्र तिवारी
5.	भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य- सत्येन्द्र परिक
6.	रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना- डॉ.बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र
9.	सूरदास - आ. शुक्ल

10.	संक्षिप्त बिहारी – डॉ. नगेन्द्र
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN52	Title of the Course	हिन्दी व्याकरण
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	हिन्दी वर्णों का वर्गीकरण	25
2.	संज्ञा की परिभाषा उसके भेद	
3.	सर्वनाम की परिभाषा उसके भेद	
4.	विशेषण की परिभाषा उसके भेद	
Unit	2.	25
1.	अव्यय की परिभाषा उसके भेद	
2.	कारक की परिभाषा उसके भेद	
3.	वाच्य की परिभाषा उसके भेद	
4.	क्रिया की परिभाषा उसके भेद	
Unit	3.	25
1.	वाक्य की परिभाषा उसके भेद	
2.	वचन	
3.	लिंग	
4.	समास	
Unit	4.	25
1.	विभक्ति	
2.	कृदंत	
3.	उपसर्ग	
4.	प्रत्यय	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to	
	➢ भाषा –संरचना व भाषिक – विश्लेषण तथा भाषिक औचित्य के लिए व्याकरण की सुजबुज़ अनिवार्य है ।हिन्दी व्याकरण पर केन्द्रित यह पाठ्य वस्तु हिन्दी भाषा प्रयुक्तियों के लिए अपेक्षित व्याकरणिक आधार उपलब्ध कराती है, जिसमे हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण,अव्यय, कारक, वाच्य, वर्ण, वचन, लिंग, समास, विभक्ति, कृदंत, उपसर्ग, प्रत्यय, आदि का समावेश होता है । भाषिक सटीकता,सज्जता, भाषिक औचित्य, भाषा-प्रयुक्ति हेतु यह आवश्यक भी है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	हिन्दी व्याकरण- पंडित कामताप्रसाद गुरु
2.	हिन्दी व्याकरण और रचना –डॉ. भोलानाथ तिवारी
3	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
4	अभिनव हिन्दी व्याकरण-डॉ. नागप्पा
5.	हिन्दी रूप रचना –सं. जयेन्द्र त्रिवेदी
6.	–
7.	–
8.	–
9.	–
10.	–
11.	–
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN53	Title of the Course	पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत	25
2.	अरस्तु का विरेचन सिद्धांत	
3.	अरस्तु का त्रासदी सिद्धांत	
4.	कामदी सिद्धांत	
Unit	2.	25
1.	इलियट का परंपरा संबंधित सिद्धांत	
2.	निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	
3.	वड्स वर्थ : काव्य की अवधारणा	
4.	लोंजाइनस का उदात्त सिध्धांत	
Unit	3.	25
1.	कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत	
2.	रिचर्डस का मुल्यसिद्धांत	
3.	काव्य में सत्यं, शिवम् ,सुन्दरम्	
4.	बिम्ब, प्रतिक , मिथक	
Unit	4.	25
1.	आभिजात्यवाद	
2.	स्वछंदतावाद	
3.	यथार्थवाद	
4.	आदर्शवाद	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%

University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों में भारतीय सिद्धांत के अतिरिक्त पाश्त्य साहित्य सद्धांतों का अध्ययन भी अपेक्षित है ।इस अध्ययन से पाश्त्य काव्यशास्त्र की विविध परिपाटियों को, दर्शनों, वादों, आदि की जानकारी मिलती है,जिससे रचना विवेचन – विश्लेष्ण करने के लिए विभिन्न अभिगम भी उपलब्ध होते है । साहित्य समीक्षा के लिए तथा समीक्षा द्रष्टि के विकास एवं विस्तरण के लिए भी इन सिद्धांतों व परिपाटियों का अध्ययन करना समीचीन है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद – सं. डॉ. नगेन्द्र
3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास , सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास – डॉ.तारकनाथ बाली
5.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.तुलसीभाई पटेल
6.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – डॉ. शिवकुमार मिश्र
7.	–
8.	–
9.	–
10.	–
11.	–
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN54	Title of the Course	प्रयोजनमूलक हिन्दी
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी परिभाषा एवं स्वरूप	25
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी का व्यवहार क्षेत्र	
3.	राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और गति	
4.	१९६८ का संकल्प	
Unit	2.	25
1.	संक्षेपण	
2.	प्रारूपण	
3.	टिप्पण	
4.	विस्तारण	
Unit	3.	25
1.	पत्राचार की परिभाषा एवं परिचय	
2.	कार्यलयीपत्र	
3.	व्यावहारिकपत्र	
4.	व्यावसायिकपत्र	
Unit	4.	25
1.	अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप	
2.	अनुवाद की प्रक्रिया	
3.	अनुवाद के प्रकार – कार्यलयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद	
4.	तकनिकी अनुवाद, वाणिज्य अनुवाद	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ हिन्दी के विविध रूपों के क्रम में राजकाज की भाषा के रूप में राजभाषा हिन्दी को प्रयोजनमूलक हिन्दी के रूप में स्वीकृत व प्रयुक्त करने के लिहाज से यह पाठ्य सामग्री प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप, व्यवहारक्षेत्र, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति – गति को निरुपित करते हुए, राजभाषा प्रयुक्ति की प्रक्रिया को भी उजागर करती है । साथ ही, अनुवाद के स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकारों का भी निदर्शन कराती है । इस प्रकार प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैधांतिक –व्यवाहरिक पक्षों का ज्ञान अध्येता को राजगारलक्षी अवसर भी मुहैया कराने में सहायक है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. दंगल ज़ालटे
3	प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिद्रश्य – रमेशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल
4	प्रयोजनमूलक हिन्दी- बलजिंदर रंधवा, कौशल पाण्डेय
5.	प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. नाथूराम देसाई
6.	व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. माखनलाल शर्मा
7.	प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पाकुमारी
8.	व्यावसायिक हिन्दी – डॉ.पुष्कर सिंह
9.	-
10.	-
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA06DHIN51	Title of the Course	मीडिया लेखन(इलेक्ट्रोनिक मीडिया)
Total Credits of the Course	02	Hours per Week	02

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	रेडियो नाटक लेखन के तत्व	25
2.	रेडियो विज्ञापन की विशेषताएँ	
3.	रेडियो कोमेंट्री का अर्थ एवं विशेषताएँ	

4.	रेडियो समाचार लेखन की विशेषताएँ	
Unit	2.	25
1.	टेलिविज़न समाचार लेखन	
2.	टेलिविज़न धारवाहिक लेखन	
3.	टेलिविज़न फिल्म लेखन की विशेषताएँ	
4.	फीचर फिल्म लेखन की प्रकिया	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	=
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	=
University Examination	50%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ मीडिया जगत में इलेक्ट्रोनिक मीडिया में व्यवसाय के क्षेत्र में द्वारा खुले है। इलेक्ट्रोनिक जगत युवा वर्ग केलिए व्यवसाय का मुख्य केंद्र रहा है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया – सं.डॉ. संजीव भानावत
2.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया के सिद्धांत – रूपचंद गौतम
3	मीडिया लेखन एवं फ़िल्म विमर्श – रविन्द्र कात्यायन
4	इलेक्ट्रोनिक और हिन्दी सिनेमा – डॉ. अनिरुद्दसिंह, मृत्युंजय प्रतापसिंह, अनुराग मिश्रा
5.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिन्दी – डॉ. रेशमा नदाफ़
6.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और स्टिंग ऑपरेशन – सतीश शर्मा
7.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया बदलते परिद्रश्य – डॉ.शालू सूरी
8.	भारत में संचार माध्यम – सं.डॉ. संजीव भानावत
9.	संचार माध्यम और इलेक्ट्रोनिक मीडिया – ज्ञानेन्द्र रावत
10.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया – पी.के. आर्य
11.	मीडिया का वर्तमान परिद्रश्य – राकेश प्रवीर
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	